॥ श्री गणेशाय नमः ॥

कुंडली मिलान

SANJAY RAJPOOT
19/3/1992 12:12PM
Mumbai Maharashtra, India

NEHA SINGH
12/1/1995 12:16PM
Varanasi Up, India

astrologyAPI

कुंडली मिलान का महत्व

ज्योतिष शास्त्र, विश्व में और प्रत्येक प्राणी की जीवनधारा में हर पल घटने वाली संभाव्य घटनाओं का अनुमान के आधार पर संभाव्य विवरण प्रस्तुत करता है| गृहस्थ आश्रम में प्रवेश हेतु विवाह आवश्यक है|

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किसी जातक की प्रकृति ,अभिरुचि ,उसका व्यक्तित्व और उसका व्यव्हार उसके जन्म नक्षत्र और राशी के आधार पर निर्धारित होता हैं। इसी आधार पर वर -वधु के जन्म नक्षत्र और जन्म राशी का मिलान करना गुण मिलान कहलाता हैं। गुण मिलान के आधार पर जाना जाता हैं की दोनों में परस्पर कैसा सम्बन्ध रहेगा।

कुंडली मिलान एक प्राचीन प्रणाली है जिसके द्वारा संभावित वर-वधू के आपसी तालमेल का आकलन किया जाता है। वर-वधू के वैवाहिक जीवन को सुखद और अनुकूल बनाने के लिए यह पहला कदम होता है। विवाह के उपरांत वर/कन्या को भविष्य में समस्याओं का सामना न करना पड़े इसलिए विवाह पूर्व वर/कन्या के माता-पिता, दोनों की जन्मकुण्डली का मिलान करवाते है, जोकि अति आवश्यक है|

प्रस्तुत कुंडली मिलान रिपोर्ट में सभी प्रमुख जन्मपत्रिका मिलान के विधियों का प्रयोग एवं विश्लेषण किया गया है। इनमे अष्टकूट मिलान, दशकूट मिलान, मांगलिक मिलान, रज्जु व वेध दोष विश्लेषण के साथ ही उनके फल भी दिए गए हैं।

सामान्य विवरण

Sanjay	गुण	Neha
19/3/1992	जन्म दिनांक	12/1/1995
12:12	जन्म समय	12:16
19 N 04	अक्षांश	25 N 44
72 E 42	देशांतर	82 E 41
+05:30	समय क्षेत्र	+05:30
6:44:7	सूर्योदय	6:47:32
18:49:55	सूर्यास्त	17:27:22
23:44:53	अयनांश	23:47:15

ज्योतिषीय विवरण

Sanjay	गुण	Neha
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पद
महिषा	योनि	मेष
देव	गण	राक्षस
आदि	नाड़ी	अंत्य
बुध	राशि स्वामी	शुक्र
हस्त	नक्षत्र	कृतिका
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	4
वृद्धि	योग	शुभ
कौलव	करण	विष्टि
कृष्ण प्रतिपदा	तिथि	शुक्ल -एकादशी
मध्य	युञ्जा	पूर्वा
पृथ्वी	तत्त्व	पृथ्वी
पू	नामाक्षर	अ
चांदी	पाया	लोहा

astrologyapi.com

ग्रह स्थिति

Sanjay ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य	--	मीन	05:10:00	गुरु	उत्तर भाद्रपद	शनि	10
चन्द्र	--	कन्या	12:11:31	बुध	हस्त	चन्द्र	4
मंगल	--	मकर	29:25:24	शनि	धनिष्ठा	मंगल	8
बुध	R	मीन	17:12:51	गुरु	रेवती	बुध	10
गुरु	R	सिंह	13:30:41	सूर्य	पूर्व फाल्गुनी	शुक्र	3
शुक्र	--	कुम्भ	12:46:02	शनि	शतभिसा	राहु	9
शनि	--	मकर	21:00:54	शनि	श्रावण	चन्द्र	8
राहु	R	धनु	11:54:30	गुरु	मूल	केतु	7
केतु	R	मिथुन	11:54:30	बुध	आर्द्रा	राहु	1
लग्न	--	मिथुन	05:14:57	बुध	मृगशिरा	मंगल	1

Neha ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य	--	धनु	27:47:57	गुरु	उत्तर षाढ़ा	सूर्य	9
चन्द्र	--	वृष	07:05:53	शुक्र	कृतिका	सूर्य	2
मंगल	R	सिंह	08:17:53	सूर्य	मघा	केतु	5
बुध	--	मकर	14:32:06	शनि	श्रावण	चन्द्र	10
गुरु	--	वृश्चिक	13:07:59	मंगल	अनुराधा	शनि	8
शुक्र	--	वृश्चिक	10:56:45	मंगल	अनुराधा	शनि	8
शनि	--	कुम्भ	15:12:40	शनि	शतभिसा	राहु	11
राहु	R	तुला	17:22:46	शुक्र	स्वाति	राहु	7
केतु	R	मेष	17:22:46	मंगल	भरणी	शुक्र	1
लग्न	--	मेष	10:16:20	मंगल	अश्विनी	केतु	1

astrologyapi.com

जन्म कुंडली

लग्न कुंडली

Sanjay

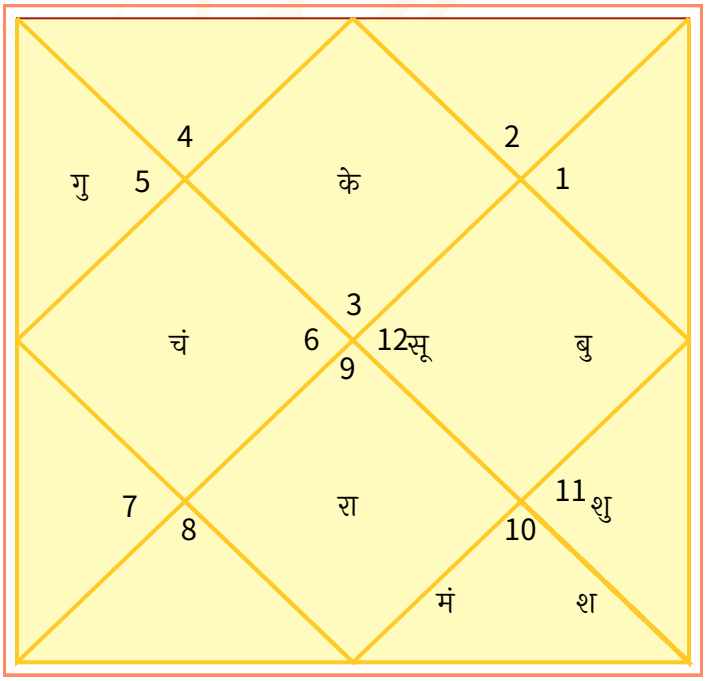

Neha

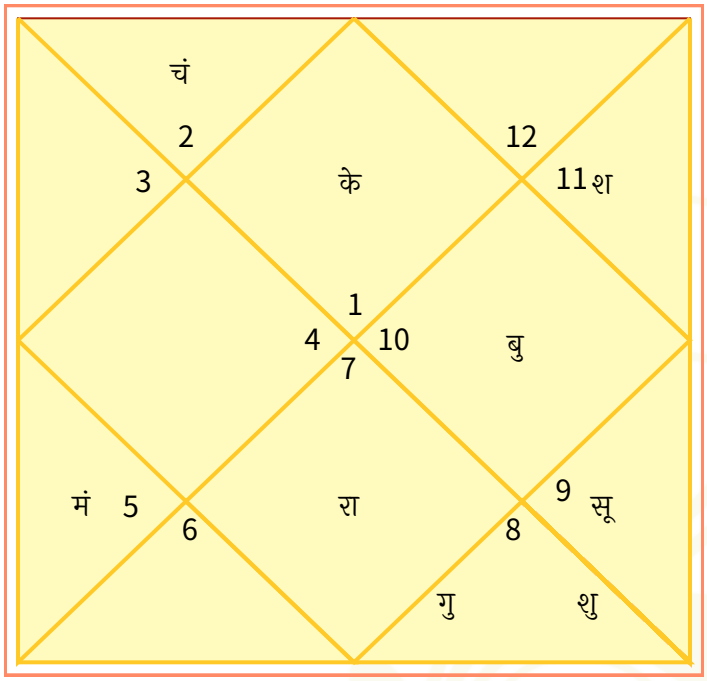

चलित कुंडली

Sanjay

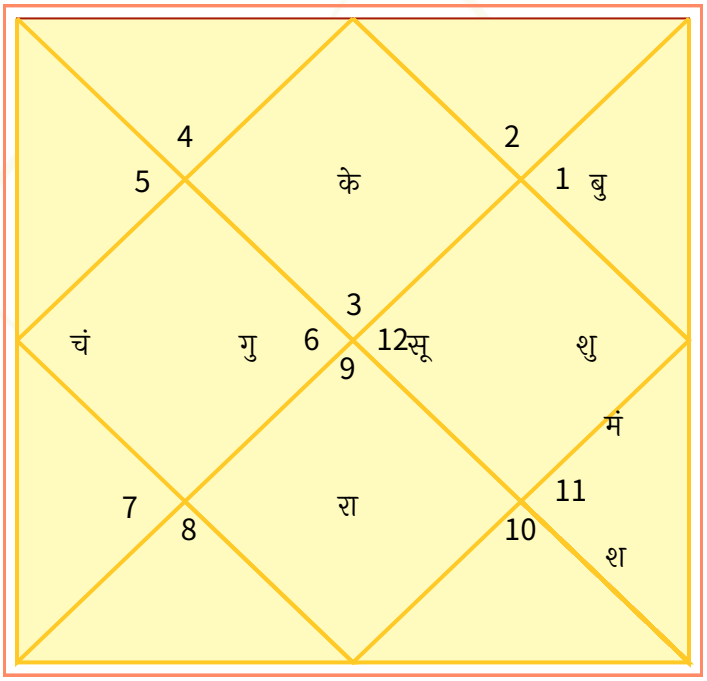

Neha

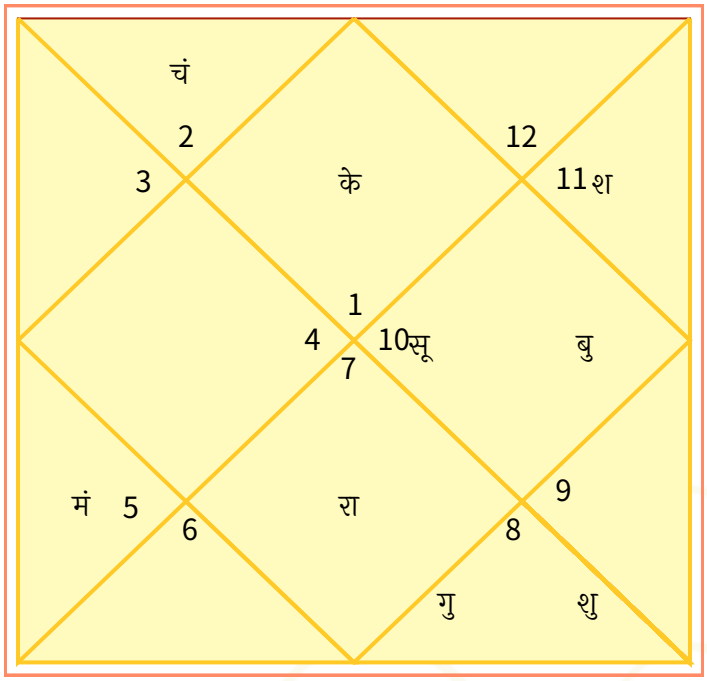

astrologyapi.com

चंद्र कुंडली

Sanjay

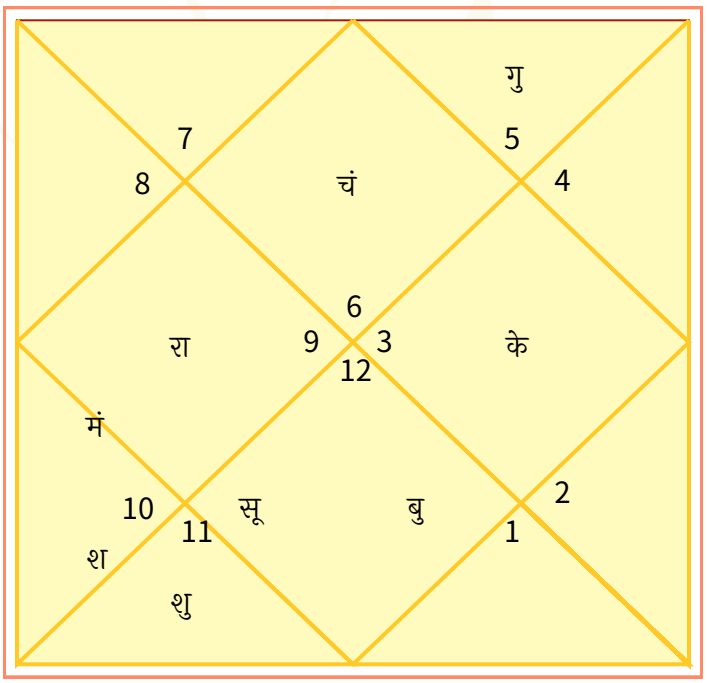

Neha

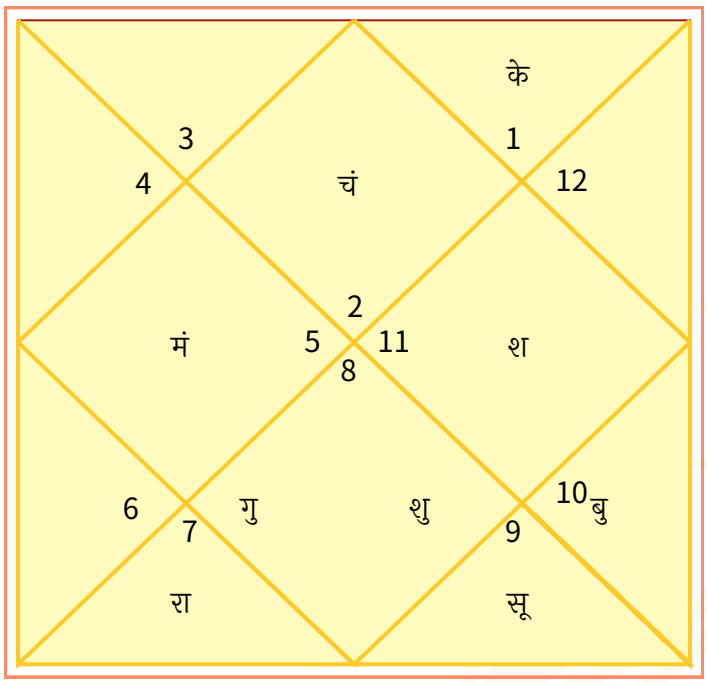

नवमांश कुंडली

Sanjay

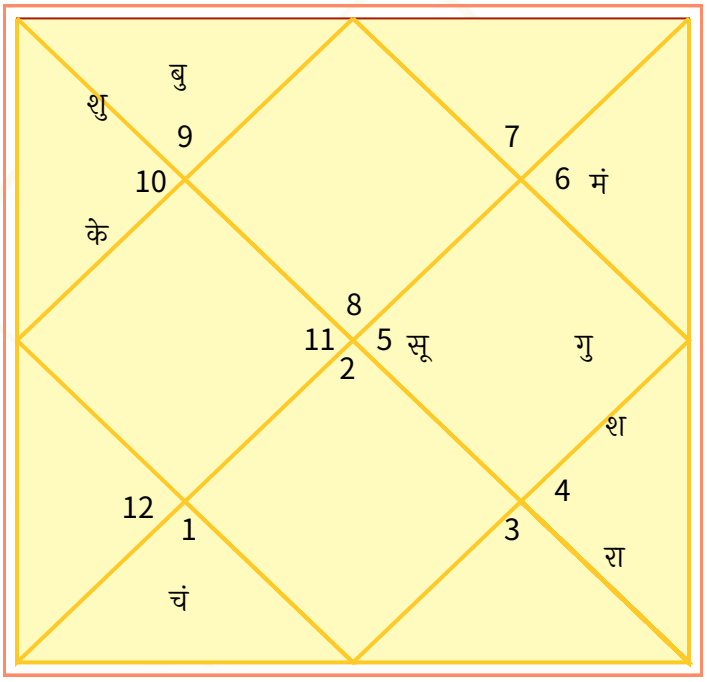

Neha

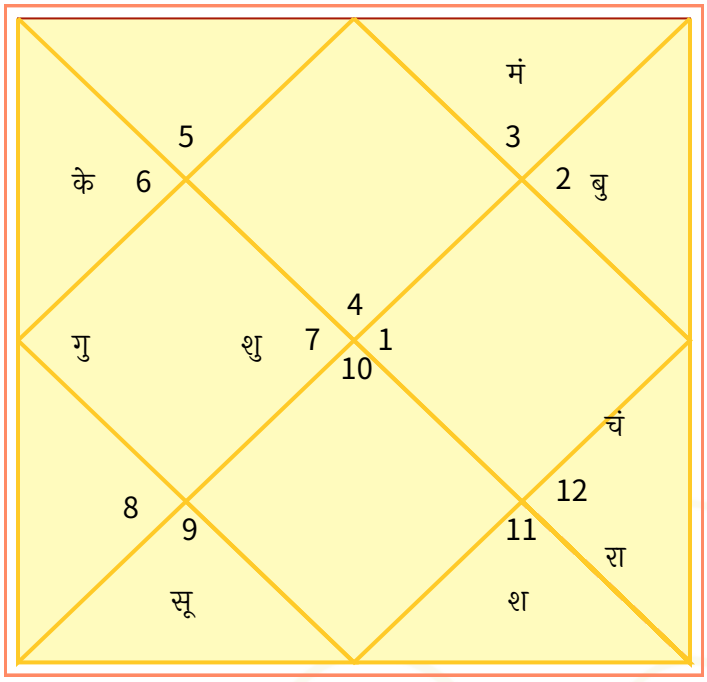

astrologyapi.com

वर्त्तमान दशा

महादशा	
--	
चन्द्र	27-07-2000 11:29
मंगल	28-07-2007 05:29
राहु	27-07-2025 17:29
गुरु	27-07-2041 17:29
शनि	27-07-2060 11:29
बुध	27-07-2077 17:29
केतु	27-07-2084 11:29
शुक्र	28-07-2104 11:29
सूर्य	28-07-2110 23:29

अंतर दशा	
राहु	
राहु	09-04-2010 09:41
गुरु	02-09-2012 00:05
शनि	09-07-2015 23:11
बुध	26-01-2018 08:29
केतु	13-02-2019 20:47
शुक्र	13-02-2022 14:47
सूर्य	08-01-2023 08:11
चन्द्र	09-07-2024 05:11
मंगल	27-07-2025 17:29

प्रत्यंतर दशा	
राहु > चन्द्र	
चन्द्र	22-02-2023 23:56
मंगल	26-03-2023 22:58
राहु	17-06-2023 03:19
गुरु	29-08-2023 04:31
शनि	23-11-2023 22:26
बुध	09-02-2024 13:13
केतु	12-03-2024 12:14
शुक्र	11-06-2024 19:44
सूर्य	09-07-2024 05:11

सूक्ष्म दशा	
राहु > चन्द्र > सूर्य	
सूर्य	13-06-2024 04:37
चन्द्र	15-06-2024 11:24
मंगल	17-06-2024 01:45
राहु	21-06-2024 04:22
गुरु	24-06-2024 20:02
शनि	29-06-2024 04:08
बुध	03-07-2024 01:16
केतु	04-07-2024 15:37
शुक्र	09-07-2024 05:11

astrologyapi.com

प्राण दशा

राहु > चन्द्र > सूर्य > बुध

बुध	29-06-2024 17:19
केतु	29-06-2024 22:45
शुक्र	30-06-2024 14:17
सूर्य	30-06-2024 18:56
चन्द्र	01-07-2024 02:42
मंगल	01-07-2024 08:08
राहु	01-07-2024 22:06
गुरु	02-07-2024 10:31
शनि	03-07-2024 01:16

astrologyapi.com

वर्त्तमान दशा

महादशा	
--	
सूर्य	03-05-1996 11:33
चन्द्र	03-05-2006 23:33
मंगल	03-05-2013 17:33
राहु	04-05-2031 05:33
गुरु	04-05-2047 05:33
शनि	03-05-2066 23:33
बुध	04-05-2083 05:33
केतु	03-05-2090 23:33
शुक्र	04-05-2110 23:33

अंतर दशा	
राहु	
राहु	14-01-2016 21:45
गुरु	09-06-2018 12:09
शनि	15-04-2021 11:15
बुध	02-11-2023 20:33
केतु	20-11-2024 08:51
शुक्र	21-11-2027 02:51
सूर्य	14-10-2028 20:15
चन्द्र	15-04-2030 17:15
मंगल	04-05-2031 05:33

प्रत्यंतर दशा	
राहु > केतु	
केतु	25-11-2023 05:28
शुक्र	28-01-2024 03:31
सूर्य	16-02-2024 07:44
चन्द्र	19-03-2024 06:46
मंगल	10-04-2024 15:41
राहु	07-06-2024 04:20
गुरु	28-07-2024 07:34
शनि	27-09-2024 00:55
बुध	20-11-2024 08:51

सूक्ष्म दशा	
राहु > केतु > गुरु	
गुरु	13-06-2024 23:58
शनि	22-06-2024 02:16
बुध	29-06-2024 08:08
केतु	02-07-2024 07:43
शुक्र	10-07-2024 20:16
सूर्य	13-07-2024 09:37
चन्द्र	17-07-2024 15:53
मंगल	20-07-2024 15:29
राहु	28-07-2024 07:34

astrologyapi.com

प्राण दशा

राहु > केतु > गुरु > शुक्र

शुक्र	03-07-2024 17:49
सूर्य	04-07-2024 04:02
चन्द्र	04-07-2024 21:05
मंगल	05-07-2024 09:01
राहु	06-07-2024 15:42
गुरु	07-07-2024 18:58
शनि	09-07-2024 03:21
बुध	10-07-2024 08:20
केतु	10-07-2024 20:16

astrologyapi.com

मांगलिक दोष क्या होता है

जिस जातक की जन्म कुंडली, लग्न/चंद्र कुंडली आदि में मंगल ग्रह, लग्न से प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भावों में से कहीं भी स्थित हो, तो उसे मांगलिक कहते हैं।

कुण्डली में जब लग्न भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव और द्वादश भाव में मंगल स्थित होता है तब कुण्डली में मंगल दोष माना जाता है। सप्तम भाव से हम दाम्पत्य जीवन का विचार करते हैं। अष्टम भाव से दाम्पत्य जीवन के मांगलीक सुख को देखा जाता है। मंगल लग्न में स्थित होने से सप्तम भाव और अष्टम भाव दोनों भावों को दृष्टि देता है। चतुर्थ भाव में मंगल के स्थित होने से सप्तम भाव पर मंगल की चतुर्थ पूर्ण दृष्टि पड़ती है। द्वादश भाव में यदि मंगल स्थित है तब अष्टम दृष्टि से सप्तम भाव को देखता है।

मूल रूप से मंगल की प्रकृति के अनुसार ऐसा ग्रह योग हानिकारक प्रभाव दिखाता है, लेकिन वैदिक पूजा-प्रक्रिया के द्वारा इसकी भीषणता को नियंत्रित कर सकते है। मंगल ग्रह की पूजा के द्वारा मंगल देव को प्रसन्न किया जाता है, तथा मंगल द्वारा जनित विनाशकारी प्रभावों, सर्वारिष्ट को शांत व नियंत्रित कर सकारात्मक प्रभावों में वृद्धि की जा सकती है।

मांगलिक दोष प्रभाव

मंगल ग्रह की पहले भाव में स्थिति:

लग्न में मंगल हो तो स्वास्थ्य पर दुषप्रभाव पड़ता हैं, व्यक्ति स्वभाव से उग्र एवं जिद्दी होता है। मंगल के दुश प्रभाव से पति या पत्नी से दूरियां अथवा तलाक भी हो सकता है ! सातवी दृष्टि के कारण जीवन साथी को किसी धारदार हथियार से चोट की आशंका भी बनी रहती है !

मंगल ग्रह की द्वितीय भाव में स्थिति :

मंगल दुसरे स्थान पर होने से परिवार में सदस्यों की बढ़ोतरी नहीं होती ! इस प्रकार या तो विवाह देर से होता है या होता ही नहीं, कई बार विवाह के उपरान्त संतान उत्पत्ति में रूकावटे आती है!

मंगल ग्रह की चतुर्थ भाव में स्थिति:

इस घर में मंगल के दुश प्रभाव से जातक के विवाहित जीवन में आने वाली खुशियाँ मनो ख़त्म सी हो जाती है, विवाह हो जाने के बावजूद विवाह का सुख नहीं मिलता ! चौथे भाव पर मंगल के दुश प्रभाव से जीवन साथी से दूरियां अथवा तलाक भी हो सकता है !

मंगल ग्रह की सप्तम भाव में स्थिति:

सातवें स्थान में स्थिति मंगल दाम्पत्य सुख (रति सुख) की हानि तथा पत्नी के स्वास्थ्य को भी हानि पहुँचाता है। इस स्थान में स्थित मंगल की दशवें एवं दूसरे भाव पर दृष्टि पड़ती है। दशम से अजीविका का तथा द्वितीय स्थान से कुटुम्ब का विचार किया जाता है। अतः इस स्थान में स्थित मंगल आजीविका एवं कुटुम्ब पर भी अपना प्रभाव डालता है।

मंगल ग्रह की अष्टम भाव में स्थिति:

कुंडली का आठवा घर जीवन साथी की उम्र से सम्बंधित होता है ! इस घर में मंगल के आने से जीवन साथी की कम आयु का खतरा बना रहता है! इस प्रकार आठवे घर में मंगल दोष होने से विवाहित जीवन पर दुश प्रभाव पड़ता है!

मंगल ग्रह की बारहवे भाव में स्थिति:

जिस जातक की कुंडली के बारहवे घर में मंगल होता है वह जातक अधिक व्याभिचारी होता है, जिस कारण से जातक कई लोगो के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाता है तथा किसी भयंकर गुप्त अंगो की बिमारी से ग्रिस्त हो जाता है!

astrologyapi.com

भाव के आधार पर

केतु आपके कुंडली में लग्न भाव में है।

राहु आपके कुंडली में सप्तम भाव में है।

अष्टम भाव में मंगल अवस्थित है।

शनि अष्टम भाव में आपके कुंडली में स्थित है।

दृष्टि के आधार पर

सप्तम भाव केतु से दृष्ट है।

आपकी कुंडली में लग्न भाव को राहु देख रहा है।

मंगल की दृष्टि आपके कुडंली के द्वितीय भाव पर पड़ रही है।

शनि की दृष्टि आपके कुडंली के द्वितीय भाव पर पड़ रही है।

आपके कुंडली का चतुर्थ भाव सूर्य से दृष्ट है।

मांगलिक विश्लेषण

कुल मांगलिक प्रतिशत	13.5%

मांगलिक फल

कुंडली में मांगलिक दोष है परन्तु मांगलिक दोष का प्रभाव बहुत कम होने से किसी हानि की अपेक्षा नहीं है । कुछ साधारण उपायो की मदद से इसे और कम किया जा सकता है।

भाव के आधार पर

केतु आपके कुंडली में लग्न भाव में है।

पंचम भाव में मंगल अवस्थित है।

राहु आपके कुंडली में सप्तम भाव में है।

दृष्टि के आधार पर

सप्तम भाव केतु से दृष्ट है।

शनि , आपके कुंडली के पंचम भाव को देख रहा है।

केतु , आपके कुंडली के पंचम भाव को देख रहा है।

आपकी कुंडली में लग्न भाव को शनि देख रहा है।

आपकी कुंडली में लग्न भाव को राहु देख रहा है।

आपके कुंडली के द्वादश भाव को मंगल देख रहा है।

मंगल , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

शनि , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

मांगलिक विश्लेषण

कुल मांगलिक प्रतिशत	20.25%

मांगलिक फल

कुंडली में मांगलिक दोष है परन्तु मांगलिक दोष का प्रभाव बहुत कम होने से किसी हानि की अपेक्षा नहीं है । कुछ साधारण उपायो की मदद से इसे और कम किया जा सकता है।

Sanjay मांगलिक विवरण

कुल मांगलिक प्रतिशत - 13.5%

Neha मांगलिक विवरण

कुल मांगलिक प्रतिशत - 20.25%

मांगलिक मिलान परिणाम

लड़का मांगलिक नहीं है; और न ही लड़की मांगलिक है। दोनों कुंडलियों में मंगल दोष अनुपस्थित होने के कारण भविष्य में उनके वैवाहिक जीवन पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ेगा यह विवाह किया जा सकता है।

दशकूट क्या होता है

एक लंबे और सुखी विवाहित जीवन को सुनिश्चित करने के लिए, प्राचीन भारतीय ऋषियों और संतों ने विवाह अनुकूलन योग्यता या विवाहयोग्य संगतता को जांचने के लिए एक विधि तैयार की जिसे कुंडली मिलान कहा जाता है। उन्होंने पुरुष और स्त्री के जन्म नक्षत्रो को लेकर कूट मिलान विधि तैयार की। शुरुआत में कुल २० कुटो का उपयोग मिलान पद्धति में किया जाता था। लेकिन इन २० कुटो में से केवल १० कुट ही वास्तव में कुंडली मिलान के लिए उपयोगी थे। भारत के कुछ हिस्सों में केवल 8 कूट को लेकर ही कुंडली मिलान किया जाता है। दसकुट मिलान की विधि को हिंदी में दश पोरिथम और तमिल में १० पॉरुथम कहा जाता है।

दसो कूट इस प्रकार से हैं - १) दीन २) गण ३) योनि ४) राशि ५) राश्याधिपति ६) रज्जू ७) वेध ८) वश्य ९) महेन्द्रं और ८) स्त्रिदिर्घ

दीन	गण	योनि	राशि
राश्याधिपति	रज्जु	वेध	वश्य
महेंद्र	स्त्री दीर्घ		

दशकूट नीचे दिए गए प्रकार से है :

दीन – तारा कूट वर – कन्या के वैचारिक मतभेद , विरोधात्मकता , धन की स्थिति व आपसी रिश्तों में सहजता को दर्शाता है ।

गण – गण दर्शाता है , परस्पर प्रेम , सामंजस्य , सौमनस्यता, मनोदशा , एक दूसरे के प्रति आकर्षण और लगाव को ।

योनि – योनी वर - कन्या के आपसी व्यावहार विचार , रहन-सहन ,इत्यादि को दर्शाता है । यह शारीरिक आकर्षण तथा लैंगिक अनुकूलता (मूल वृत्ती) भी दर्शाता है ।

राशि – यह दर्शाता है : पारस्परिक आकर्षण , अनुराग , आसक्ति स्नेह एवं रचनात्मकता तथा सृजनात्मकता ।

राश्याधिपति – यह दर्शाता है वर-कन्या की मनोवृत्ती एवं स्वभाव के तालमेल को । ग्रह मैत्री मनोवैज्ञानिक स्वभाव के विश्लेषण का सबसे अच्छा उपकरण है ।

रज्जु – यह दस कुटो में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि यह पति के लिए एक लंबा जीवन सुनिश्चित करता है।

वेध – वेध का मतलब दु:ख है विवाहित जीवन में सभी बुराइयों और नुकसान कारक होगा अगर कुंडली मिलान में वेध दोष उपस्थित है।

वश्य – वर / कन्या की अभिरुचि तथा शारीरिक ,मानसिक ,भावनात्मक प्रकृति को दर्शाता है ।

महेंद्र – दर्शाता है – हर्षोउल्लास का संतुलन , नाड़ी अर्थात – नब्ज जो हमारे शरीर की तांत्रिक उर्जा का प्रतिनिधि होता है तथा स्मरणशक्ति चेतना का संचालन यहीं से होता है ।

स्त्री दीर्घ – यह धन और समस्त समृद्धि का संचय सुनिश्चित करता है।

astrologyapi.com

दशकूट

गुण	पुरुष	स्त्री	कुल	प्राप्त
दीन	हस्त	कृतिका	3	3
गण	देव	राक्षस	4	0
योनि	महिषा	मेष	4	3
राशि	कन्या	वृष	7	0
राश्याधिपति	बुध	शुक्र	5	5
रज्जु	-	-	5	5
वेध	हस्त	कृतिका	2	2
वश्य	मानव	चतुष्पद	2	1
महेंद्र	हस्त	कृतिका	2	0
स्त्री दीर्घ	हस्त	कृतिका	2	0
कुल	-	-	36	19

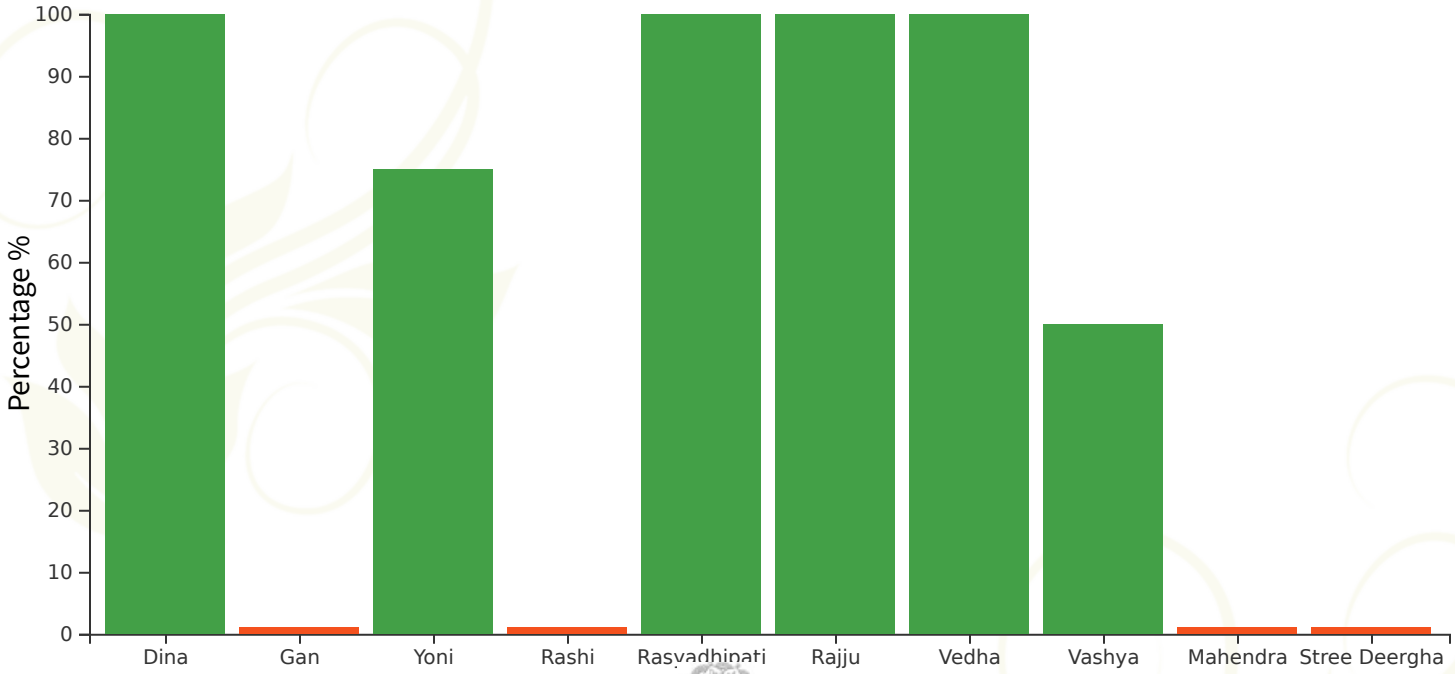

astrologyapi.com

रज्जु दोष क्या होता है?

This indicates the strength or duration or married life and therefore it merits special attention. The 27 constellations have been grouped into five types of Rajju. Padarajju - Aswini, Aslesha, Makha, Jyestha, Mula, Revati. Katirajju - Bharani, Pushyami, Purva, Anuradha, Poorvashadha, Uttarabhadra. Nabhi or Udararajju - Krittika, Punarvasu, Uttara, Visakha, Uttarashadha, Poovabhadra. Kantarajju - Rohini, Aridra, Hasta, Swati, Sravana, and Satabhisha. Sirorajju - Dhanistha, Chitta and Mrigasira. The Janma Nakshatras of the couple should not fall in the same Rajju. If they fall in Sira (head) husband's death is likely; if in Kantha (neck) the wife may die; if in Udara (stomach) the children may die; if in Kati (waist) poverty may ensue; and if in Pada (foot) the couple may be always wandering. Hence, it is desirable that the boy and the girl have constellations belonging to different rajjus or groups for safety in household life.

रज्जु दोष विश्लेषण

Not Present

कोई रज्जू दोष मौजूद नहीं है। इसलिए,लड़की और लड़के के बीच के मेल को अच्छा और शुभ माना जाता है।

पापसम्यम

Papa (dosha) Comparison is done here by assigning points for the position of Mars, Saturn, Rahu, Ketu and Sun with respect to Lagna, Moon as well as Venus.

Sanjay पाप अंक

पाप अंक	लग्न से		चंद्र से		शुक्र से	
	स्थान	पाप	स्थान	पाप	स्थान	पाप
सूर्य	10	0	7	7.5	2	4.5
मंगल	8	0	5	0	12	0
शनि	8	9	5	0	12	1.5
राहु	7	3.75	4	2.25	11	0
कुल	--	12.75	--	4.875	--	1.5

Neha पाप अंक

पाप अंक	लग्न से		चंद्र से		शुक्र से	
	स्थान	पाप	स्थान	पाप	स्थान	पाप
सूर्य	9	0	8	9	2	4.5
मंगल	5	0	4	9	10	0
शनि	11	0	10	0	4	2.25
राहु	7	3.75	6	0	12	0.75
कुल	--	3.75	--	9	--	1.875

पापसम्यम निष्कर्ष

पापसम्यम शुभ है।

astrologyapi.com

Sanjay व्यक्तित्व विवेचना

मिथुन लग्न के व्यक्ति मित्रवत, अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाने में कुशल, मिलनसार, अस्थिरचित्त, अनिश्चित,एक समय पर एक साथ दो या अधिक कार्यों में रुचि लेने वाले, हाज़िर जवाब,बुद्धिमान , मानसिक रूप से अधिक सक्रिय ,अति-भावुक ,थोड़े तुनकमिज़ाज अशांत या घबरा जाने वाले , वाचाल , अगंभीर और हमेशा कुछ अलग करने के लिए तैयार रहने वाले होते हैं ।

मिथुन लग्न दो जुड़वाँ बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है,इसलिए आपके व्यक्तित्व के भी दो अलग अलग पक्ष हो सकते हैं । आप जो पहले से ही जानते हैं और उससे अधिक सीखने के लिए आपको यह बात लोगों तक पहुचाने की प्रबल आवश्यकता है।

> “आप पढ़ने और यात्रा करने में आनंद लेते हैं और इन दोनों कार्यों में नवीनतम ज्ञान प्राप्ति की ढेरों संभावनाएं हैं। आपको विविधता पसंद है और ऐसा हो सकता है कि आप सभी कार्यों में थोड़े थोड़े निपुण हों लेकिन किसी भी कार्य में पूर्णतः प्रवीण ना हों।

आपका रुझान विस्तृत रूप से बातों के विस्तार में होगा लेकिन आप उनकी गहराई में जाने का प्रयत्न नहीं करेंगे । आप उपर से आत्मविश्वासपूर्ण दिखाई दे सकते हैं, लेकिन आप में आत्मविश्वास और आंतरिक स्थिरता की कमी हो सकती है ।

आप को बोलना अच्छा लगता है ,अपने मुँह से और साथ ही हाथों के इस्तेमाल से ।

Neha व्यक्तित्व विवेचना

मेष लग्न में जन्मे व्यक्ति ऊर्जावान, अग्रणी, व्यग्र, तार्किक, स्वार्थी, आवेगी, स्वयं को बढ़ावा देने वाले , आक्रामक, मुखर, हठी,अड़ियल,आत्मनिर्भर, शारीरिक रूप से सक्रिय , होशियार यंत्रवत् ढंग से तैयार होने वाले,आत्म केन्द्रित लेकिन लापरवाह , और स्वार्थी से ज्यादा मस्तमौला किस्म के होते हैं ।

आप को किसी भी प्रकार की सख्ती या नियंत्रण पसंद नहीं है, आपको यह पसंद नहीं है की आपको कोंई सीख दे, आपको , कूटनीति और कुशलता सीखने की जरूरत है कुछ करने से पहले अच्छी तरह से सोच लें।

> “बेहतर होगा कि आप सीख लें कि अपनी ऊर्जा के माध्यम से आप कैसे अधिक रचनात्मक उद्देश्यों और परिणामों को प्राप्त कर सकते है ।

भेड़ा आपकी लग्न का प्रतीक है, उसी की तरह, आप अपनी समस्याओं से भिड जाते हैं, इस आशा के साथ कि सामने कोई समस्या हो या लोग आप उन्हें हरा ही देंगे ।

आप जीवन में चुनौतियों को पसंद करते हैं और बहुत ही प्रतिस्पर्धात्मक और कभी कभी जुझारूपना धारण कर लेते हैं। सामान्य दिनचर्या से आसानी से आप ऊब जाते हैं, साथ ही आपको अपनी हठ की आदत सुधारने की ज़रूरत है।

astrologyapi.com

विशेषता - लक्षण

सकारात्मक लक्षण

Sanjay

प्रज्ञात्मक | योजनाकार | बहुमुखी अनुकूलनीय | तार्किक

Neha

क्रियाशील व रचनात्मक | स्वतन्त्र | सक्रिय | साहसी

नकारात्मक लक्षण

Sanjay

ढुलमुल मन | अधीर | गपशप करना | तिकड़मबाज

Neha

चंचल दिमाग | शीघ्रकोपी | आवेशपूर्ण | आक्रामक

astrologyapi.com

दशकूट

लड़का और लड़की की कुंडलियों के दशकूट मिलान से उन्हें 36 अँको में से 19 अंक प्राप्त हुए हैं । जिससे दोनों के बीच मानसिक अनुकूलता और आपसी स्नेह बना रहेगा। इसलिए, यह एक सकारात्मक मेल कहा जा सकता है।

मांगलिक

लड़का मांगलिक नहीं है; और न ही लड़की मांगलिक है। दोनों कुंडलियों में मंगल दोष अनुपस्थित होने के कारण भविष्य में उनके वैवाहिक जीवन पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ेगा यह विवाह किया जा सकता है।

मिलान निष्कर्ष

> “ विवाह के लिए यह एक अत्युत्तम जोड़ी है. यह युगल एक लंबे समय तक स्थायी रिश्ते में बंधे रहेंगा , जो सुख और समृद्धि के भरा होगा ।

astrologyapi.com

Astrology API

https://www.astrologyapi.com
+91 (22) 35715833
mail@astrologyapi.com